भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3156

06 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

डीडीए की भूमि पर अतिक्रमण

3156. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) दिल्ली में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की कुल कितनी भूमि पर अतिक्रमण हुआ है;

(ख) दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा उक्त अतिक्रमणों को हटाने के लिए क्या कार्रवाई की गई है;

(ग) क्या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कृषि भूमि पर अवैध निर्माण की निगरानी के लिए ड्रोन निगरानी की कोई प्रणाली शुरू की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) ऐसी ड्रोन निगरानी के बाद अवैध निर्माण के कितने मामलों का पता चला है और उक्त मामलों में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) डीडीए भूमि पर अतिक्रमण परिवर्तनशील स्वरूप के होते हैं और अतिक्रमण के अंतर्गत आने वाली भूमि क्षेत्र, निरंतर अतिक्रमण निष्कासन अभियानों, अतिक्रमण के नए मामलों तथा समय-समय पर किए जाने वाले सत्यापन के कारण परिवर्तित होते रहते है।

(ख) डीडीए जहां भी आवश्यक हो, दिल्ली पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों की सहायता से ध्वस्तीकरण एवं बेदखली की नियमित आधार पर कार्रवाई करता है। भूमि के सीमांकन से संबंधित मामलों, न्यायालयों में लंबित मामलों अथवा धार्मिक समिति/जीएनसीटीडी सहित सक्षम प्राधिकारियों के निर्णयों की आवश्यकता वाले मामलों में, आगे की कार्रवाई आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत तथा ऐसी कार्यवाहियों के परिणाम के अधीन की जाती है।

(ग) डीडीए, एमसीडी और भारतीय सर्वेक्षण के मध्य दिनांक 29.08.2024 को पांच वर्षीय त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके अंतर्गत व्यापक जीआईएस/एलआईएस-आधारित भूमि प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली के विकास के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई के सहयोग से दिल्ली के संपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का वर्ष में दो बार ड्रोन के माध्यम से पुनः सर्वेक्षण किया जाता है। सर्वेक्षण वर्ष 2024 में प्रारंभ हुआ था। सर्वेक्षण का पहला चरण पूरा हो चुका है और दूसरा चरण अभी प्रगति पर है। अवैध निर्माणों की निगरानी के उद्देश्य से समय-समय पर ड्रोन सर्वेक्षण किए जाएंगे।

(घ) ड्रोन सर्वेक्षणों के माध्यम से अतिक्रमणों का पता लगाने के लिए कम-से-कम दो सर्वेक्षण चक्रों के आंकड़ों की तुलना आवश्यक है। ड्रोन सर्वेक्षण का दूसरा चरण प्रगति पर है। भारतीय सर्वेक्षण और अन्य एजेंसियों की सहायता से परिवर्तन पहचान प्रौद्योगिकियों का उपयोग किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

****